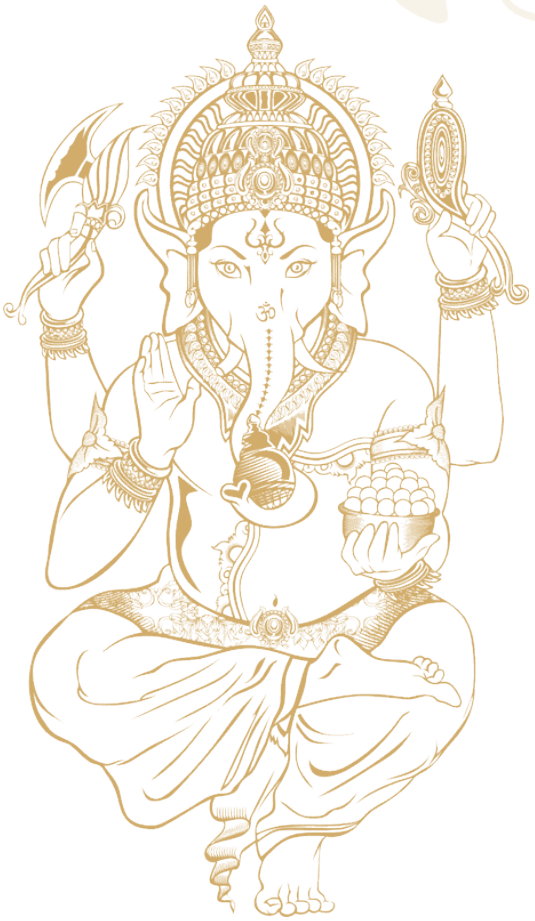

Ashish Yadav

28 Feb 2005

01:55 AM

Pratapgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121009002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/02/2005**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**01:55:56 घंटे**
इष्ट	48:41:16 घटी
स्थान	**Pratapgarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:52:00 उत्तर
रेखांश	82:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:54:04 घंटे
वेलान्तर	-00:12:45 घंटे
साम्पातिक काल	12:25:08 घंटे
सूर्योदय	06:27:25 घंटे
सूर्यास्त	18:02:07 घंटे
दिनमान	11:34:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	15:25:04 कुम्भ
लग्न के अंश	00:45:23 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	गण्ड
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:45:23	324:51:48	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
सूर्य			कुंभ	15:25:04	01:00:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	27:29:35	12:52:17	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
मंगल			धनु	21:03:05	00:42:54	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			कुंभ	26:48:31	01:51:06	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		कन्या	23:54:16	00:04:39	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र		अ	कुंभ	07:35:55	01:14:57	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	26:55:13	00:02:24	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मीन	29:29:55	00:00:15	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	29:29:55	00:00:15	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	12:58:31	00:03:27	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	22:02:28	00:02:08	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	00:22:56	00:00:54	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			कन्या	12:54:51	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:38

लग्न-चलित

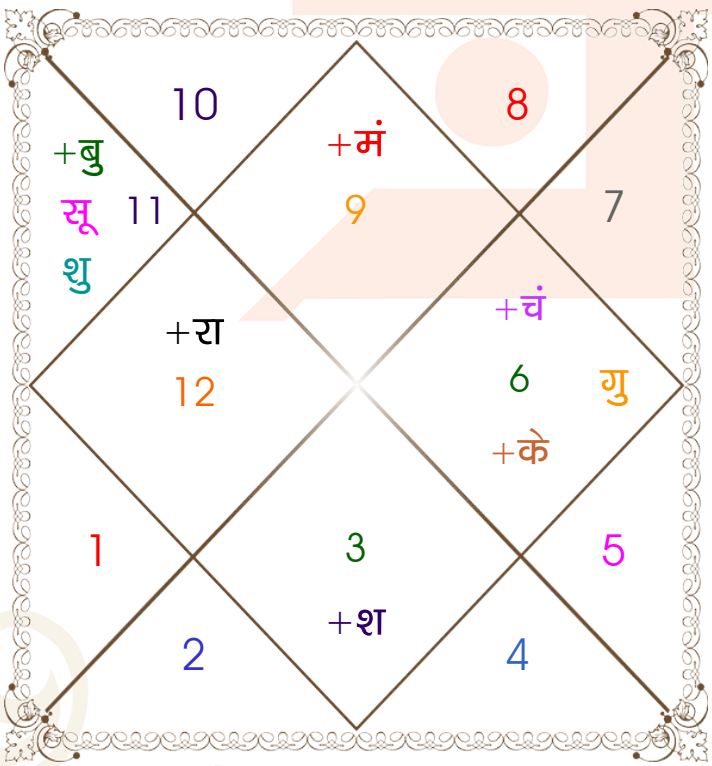

चन्द्र कुंडली

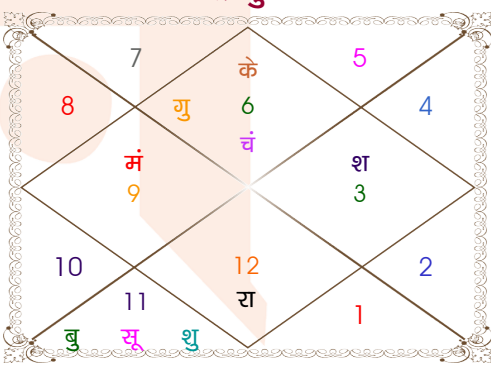

नवमांश कुंडली

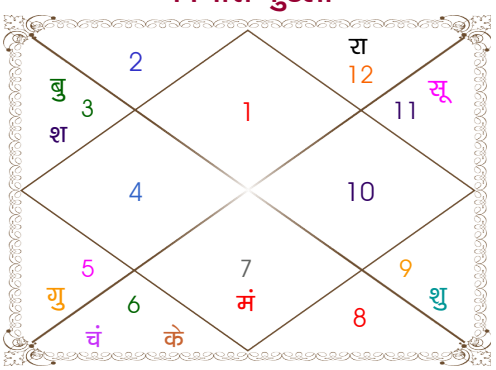

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 9 मास 24 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/02/2005		23/12/2009		23/12/2027		23/12/2043		23/12/2062	
23/12/2009		23/12/2027		23/12/2043		23/12/2062		23/12/2079	
	00/00/0000	राहु	04/09/2012	गुरु	09/02/2030	शनि	26/12/2046	बुध	21/05/2065
	28/02/2005	गुरु	28/01/2015	शनि	23/08/2032	बुध	04/09/2049	केतु	18/05/2066
गुरु	14/05/2005	शनि	04/12/2017	बुध	29/11/2034	केतु	14/10/2050	शुक्र	18/03/2069
शनि	23/06/2006	बुध	23/06/2020	केतु	04/11/2035	शुक्र	14/12/2053	सूर्य	22/01/2070
बुध	21/06/2007	केतु	11/07/2021	शुक्र	05/07/2038	सूर्य	26/11/2054	चंद्र	24/06/2071
केतु	17/11/2007	शुक्र	11/07/2024	सूर्य	24/04/2039	चंद्र	26/06/2056	मंगल	20/06/2072
शुक्र	16/01/2009	सूर्य	05/06/2025	चंद्र	23/08/2040	मंगल	05/08/2057	राहु	07/01/2075
सूर्य	24/05/2009	चंद्र	05/12/2026	मंगल	30/07/2041	राहु	11/06/2060	गुरु	14/04/2077
चंद्र	23/12/2009	मंगल	23/12/2027	राहु	23/12/2043	गुरु	23/12/2062	शनि	23/12/2079

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/12/2079		23/12/2086		24/12/2106		23/12/2112		24/12/2122	
23/12/2086		24/12/2106		23/12/2112		24/12/2122		00/00/0000	
केतु	20/05/2080	शुक्र	23/04/2090	सूर्य	13/04/2107	चंद्र	24/10/2113	मंगल	22/05/2123
शुक्र	20/07/2081	सूर्य	24/04/2091	चंद्र	12/10/2107	मंगल	25/05/2114	राहु	09/06/2124
सूर्य	25/11/2081	चंद्र	22/12/2092	मंगल	17/02/2108	राहु	24/11/2115	गुरु	01/03/2125
चंद्र	26/06/2082	मंगल	22/02/2094	राहु	11/01/2109	गुरु	25/03/2117		00/00/0000
मंगल	22/11/2082	राहु	21/02/2097	गुरु	30/10/2109	शनि	24/10/2118		00/00/0000
राहु	11/12/2083	गुरु	23/10/2099	शनि	12/10/2110	बुध	24/03/2120		00/00/0000
गुरु	16/11/2084	शनि	24/12/2102	बुध	18/08/2111	केतु	24/10/2120		00/00/0000
शनि	26/12/2085	बुध	24/10/2105	केतु	24/12/2111	शुक्र	24/06/2122		00/00/0000
बुध	23/12/2086	केतु	24/12/2106	शुक्र	23/12/2112	सूर्य	24/12/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 9 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।